STUDY NOTES · BASIC CONCEPT

ईरान का “सुपर हथियार ” बना

होर्मुज – क्या फिर होगा युद्ध ?

International Relations
26 Apr 2013

क्या है पूरा मामला

हाल ही में Iran और United States के बीच हुई अहम वार्ता विफल हो गई है, जिससे
क्षेत्र में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। इस विफलता के बाद ईरान ने
Strait of Hormuz को अपने “सुपर हथियार ” के रूप में सामने रखा है, जिससे वह
वैश्विक स्तर पर दबाव बना सकता है। यह घटनाक्रम दुनिया भर के देशों
के लिए चिंता का विषय बन गया है।

होर्मुज का रणनीतिक महत्व

Strait of Hormuz दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग माना जाता है, जहां
से लगभग 20% वैश्विक तेल सप्लाई गुजरती है। यह मार्ग मध्य -पूर्व के
तेल को एशिया और यूरोप तक पहुंचाने का मुख्य रास्ता है। इसके अलावा ,
LNG यानी प्राकृतिक गैस का बड़ा हिस्सा भी इसी मार्ग से जाता है,
इसलिए इसकी सुरक्षा और खुलापन पूरी दुनिया की ऊर्जा जरूरतों के
लिए बेहद जरूरी है।

ईरान का “सुपर हथियार ” क्यों

ईरान इस स्ट्रेट को एक रणनीतिक हथियार के रूप में देखता है क्योंकि
इसके जरिए वह बिना सीधे युद्ध के भी बड़े देशों पर दबाव बना सकता
है। यदि ईरान इस मार्ग को बाधित करता है, तो तेल की सप्लाई रुक सकती
है, जिससे वैश्विक बाजारों में भारी उथल -पुथल मच सकती है। इसके
अलावा , ईरान के पास समुद्री माइन, मिसाइल और ड्रोन जैसे साधन हैं,
जिनके जरिए वह इस क्षेत्र में खतरा पैदा कर सकता है।

वार्ता विफल होने के कारण

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता कई अहम मुद्दों पर अटक गई। सबसे बड़ा
विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर रहा, जिस पर अमेरिका कड़े
प्रतिबंध और नियंत्रण चाहता है। वहीं ईरान अपनी संप्रभुता और
अधिकारों से समझौता करने को तैयार नहीं है। दोनों देशों के बीच
लंबे समय से चले आ रहे अविश्वास ने भी समझौते की संभावनाओं को कमजोर
कर दिया।

युद्ध की आशंका

वार्ता विफल होने के बाद स्थिति और तनावपूर्ण हो गई है। अमेरिका की
ओर से होर्मुज पर नियंत्रण या दबाव बनाने की बात सामने आई है, जबकि
ईरान ने किसी भी कार्रवाई का जवाब देने की चेतावनी दी है। क्षेत्र
में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से यह आशंका मजबूत हो गई है कि यदि
हालात नहीं सुधरे तो सीधा संघर्ष हो सकता है।

वैश्विक प्रभाव

अगर होर्मुज में तनाव बढ़ता है, तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा।
तेल और गैस की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं, जिससे महंगाई में इजाफा
होगा। अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सप्लाई चेन पर भी असर पड़ेगा।
खासकर भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण होगी,
क्योंकि वे बड़े पैमाने पर तेल आयात पर निर्भर हैं।

निष्कर्ष

होर्मुज स्ट्रेट आज सिर्फ एक समुद्री मार्ग नहीं, बल्कि एक
महत्वपूर्ण भू -राजनीतिक हथियार बन चुका है। अमेरिका –ईरान वार्ता
की विफलता ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है। अब भविष्य इस बात
पर निर्भर करेगा कि कूटनीति के जरिए समाधान निकलता है या दुनिया एक
बड़े टकराव की ओर बढ़ती है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias